अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

लघु दण्डक–30

प्र. 1 कोई चार द्वार लिखें– 24

(क) प्राण द्वार लिखें।

(ख) स्थिति द्वार में मनुष्य व युगलियों की स्थिति लिखें।

(ग) गति आगति द्वार में तेजस्काय, वायुकाय से अंत तक लिखें।

(घ) तिर्यंच की अवगाहना लिखें।

(ड़) ज्ञान द्वार व दर्शन द्वार लिखें।

प्र. 2 कोई दो द्वार लिखें– 6

(क) शरीर द्वार लिखें।

(ख) उत्पत्ति द्वार में किन-किन जीवों की उत्पत्ति दो गतियों से ही होती है और तीन गतियों से होती है।

(ग) आहार द्वार लिखें।

पांच ज्ञान–30

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 24

(क) आनुगामिक का अर्थ बताते हुए इसके भेदों को समझाएं।

(ख) मतिज्ञान के प्रकार को स्पष्ट करते हुए अवग्रह आदि का कालमान लिखें।

(ग) संज्ञी-असंज्ञी श्रुत के आधार पर यंत्र तथा दृष्टिवाद उपदेश लिखें एवं स्पष्ट करें कि निगोद के जीवों में भी अक्षर का अनन्तवां भाग सदाकाल उद्घाटित रहता है।

(घ) मनःपर्यव ज्ञान का स्वामी व उसके प्रकार को स्पष्ट करें।

(ड़) अनंतर सिद्ध केवलज्ञान के प्रकारों का नाम लिखें व प्रथम सात को समझाएं।

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) किनके द्वारा रचित श्रुत सम्यक् श्रुत व मिथ्याश्रुत है?

(ख) लब्धि अक्षर से क्या तात्पर्य है।

(ग) द्रव्य की दृष्टि से सब रूपी द्रव्यों को कौन सा अवधिज्ञानी जानता देखता है?

(घ) अक्षरश्रुत किसे कहते हैं?

(ड़) मतिज्ञान का विषय कालतः लिखें।

(च) हीयमान अवधि ज्ञान किसे कहते हैं?

(छ) केवलज्ञान का विषय क्या है उसे एक ही प्रकार का क्यों कहा है?

(ज) तिर्यकलोक में संख्यात द्वीप समुद्र व असंख्यात द्वीप समुद्र कौन से देव देखते हैं?

गीतिका–गुणस्थान दिग्दर्शन–10

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 2

(क) गुणस्थान दिग्दर्शन गीतिका का रचना काल लिखें।

(ख) आठों कर्मों का उदय निष्पन्न भाव किन गुणस्थानों में होता है?

(ग) शाश्वत और अशाश्वत गुणस्थान कितने व कौन से हैं?

प्र. 6 कोई दो पद्य भावार्थ सहित लिखें– 8

(क) कषाय.....देखो रे।

(ख) ज्ञानावरणी.....बंधायो रे।

(ग) मोह खायक.....सुख माणे रे।

(घ) आयु कर्म.....मिलावै रे।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–30

प्र. 7 सभी प्रश्नों के उत्तर दें– 30

(क) **पच्चीस बोल–** 1

निर्जरा तत्त्व का बारहवां भेद **अथवा** दसवां उपयोग।

(ख) **चतुर्भंगी–** 3

चौथा बोल **अथवा** बीसवां बोल।

(ग) **पच्चीस बोल की चर्चा–** 3

तीसरा **अथवा** पन्द्रहवां बोल।

(घ) **तत्त्व चर्चा–** 3

छह द्रव्यों में रूपी अरूपी **अथवा** निरवद्य पर चर्चा।

(ङ) **प्रतिक्रमण–** 2

दर्शन सम्यक्त्व सूत्र **अथवा** क्षमायाचना सूत्र।

(च) **कर्म प्रकृति–** 4

दर्शन मोह की प्रकृतियों का कार्य एवं स्थिति **अथवा** शुभ नाम कर्म भोगने के हेतु।

(छ) **जैन तत्त्व प्रवेश–** 3

दृष्टान्त द्वार पुण्य-पाप **अथवा** परमात्म द्वार।

(ज) **बावन बोल–** 4

संवर के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा **अथवा** आठ आत्मा में उदय भाव कितनी यावत् पारिणामिक भाव कितनी?

(झ) **इक्कीस द्वार–** 4

संयतासंयति **अथवा** अभाषक।

(ञ) **जैन तत्त्व प्रवेश–** 3

विश्राम द्वार **अथवा** सप्तभंगी लिखें।